(क) क्या सरकार का ध्यान 28 अप्रैल, 1992 के "दि स्टेट्समैन" में "नो टेकर फार वेस्टलैंड कोप्टर्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन हेलीकाप्टरों को विश्व-बाजार में बेचने के प्रयास किये हैं; और

(ग) यदि हां, तो किन-किन पार्टियों ने इन हेलीकाप्टरों को कितने-कितने मूल्य पर खरीदने की पेशकश की है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव-राव सिंधिया) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) क्योंकि वेस्टलैंड हेलीकाप्टरों की खरीद के लिए वित्त व्यवस्था युनाइटेड किंगडम सरकार से एक अनुदान के द्वारा पूरी की गई थी अतः अनुदान की शर्तों के अधीन इन हेलीकाप्टरों के निपटान के लिए उस सरकार की अनुमति अपेक्षित है। वेस्टलैंड हेलीकाप्टरों के निपटान के लिए यू० के० सरकार के साथ बातचीत चल रही है।

एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को भविष्य निधि का भुगतान न किया जाना

1689. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एयर इंडिया और इंडियन एयर लाइंस ने अन्य सरकारी उपक्रमों की तरह अपने कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि की एक योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इन उपक्रमों से सेवानिवृत्त हुए अनेक कर्मचारियों को दिसम्बर, 1991 के अन्त तक उन्हें देय उनकी भविष्य निधि का भुगतान नहीं किया गया था; और

(ग) यदि हां, तो उन कर्मचारियों के नाम क्या हैं जो सेवा-निवृत्त हो गए हैं और जिन्हें दिसम्बर, 1991 के अन्त तक उनकी भविष्य निधि का भुगतान नहीं किया गया है और इसके क्या कारण हैं तथा देय भविष्य निधि का भुगतान सामान्यतया कितने समय में कर दिया जाता है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस दोनों ने ही अपने कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि योजनाएं तैयार कर ली हैं।

(ख) और (ग) एअर इंडिया के मामले में भविष्य निधि संबंधी देय राशियों का निपटान अधिवर्षिता के तत्काल पश्चात् किया जाता है तथा इंडियन एयरलाइंस के मामले में अधिवर्षिता की तारीख से तीस दिनों के भीतर किया जाता है। तथापि, ऐसे कुछ मामले हैं जिसमें निगमों द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास को कर्मचारियों द्वारा खाली न किया जाना, न्यायालयों/औद्योगिक अधिकरणों के समक्ष लंबित अनुशासनिक मामलों में कर्मचारियों का अंतर्ग्रस्त होना और लाभ प्राप्त कार्यालयों का नामांकन किए बिना सेवाकाल के दौरान कर्मचारियों की मृत्यु आदि जैसे मामले हैं, जिनमें भुगतान में देरी हुई है।

31-12-91 की स्थिति के अनुसार, एयर इंडिया में कुल 132 मामले तथा इंडियन एयर-लाइंस में 33 मामले निपटान के लिए लंबित थे।

Setting up of new hotel in Rajasthan **during Eight Five Year Plan period**

1690. SHRI RAMDAS AGARWAL : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether Government propose to open more hotels in Rajasthan during the year 1992-93 and the Eighth Five Year Plan ;

(b) what is the present financial position of each Government hotel in the State

during the last three years up to 31st March, 1992, separately; and

(c) if so, the reasons therefore and whether any steps have been taken so far to eliminate these losses?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The Central Department of Tourism does not construct hotels. However, ITDC owns and operates hotels in the Country. Its Annual Plan 1992-93 does not include any provision for construction of a new hotel in Rajasthan. ITDC's Eighth Five Year Plan has not been finalised.

(b) The last 3 years' financial position of the hotel presently operated by ITDC in Rajasthan is as under:—

(Rs. in lakhs)

	Name of Hotel	1989-90		1990-91		1991-92 (Provisional)	
		Turn-over	Net Profit/ loss	Turnover	Net Profit/ loss	Turnover	Net Profit/ loss
1	Hotel Jaipur Ashok, Jaipur	113.88	4.61	109.17	2.64	133.07	5.67
2	Laxmi Vilas, Palace Hotel, Udaipur	110.05	22.87	117.62	30.55	160.65	43.02
3	Forest Lodge at Bharatpur	38.82	14.01	37.51	6.58	62.18	16.70

(c) Does not arise.

CBI probe into Airbus A-320 deal

1691. SHRI VIREN J. SHAH: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1794 given in the Rajya Sabha on 10th March, 1992 and state:

(a) whether the Central Bureau of Investigation which registered a case on 29th March, 1990 to probe into Rs. 2500 crore Airbus A-320 deal involving the alleged kickbacks of about Rs. 250 crores, have completed its investigation;

(b) if so, what are the details of the investigations; and

(c) if not, what are the reasons for the delay in completing the investigation as more than two years have passed since the case was registered?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (c) The case is still under investigation by C.B.I. The delay is due to the complexity of the case which involves examination of large number of witnesses and documents and investigation abroad in UK, USA, France, Switzerland and other countries which is time consuming.

Scheme for Reviving Sick Vayudoot Organisation

1692. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have formulated a scheme for reviving the sick Vayudoot Organisation and promoting tourism in the country;

(b) if so, what are the details of the scheme; and

(c) by when this scheme is likely to be implemented?